राज
कामिक्स
विशेषांक
संख्या 42
विसर्पी की शादी
नागराज
इस विशेषांक
के साथ एक
आकर्षक स्टीकर
मुफ्त
amaan.cooldude18
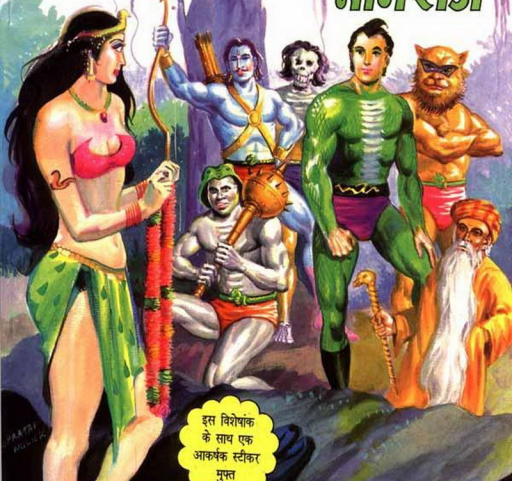
विसर्पी की शादी
लेखक •
हनीफ अज
कलानिर्देशन
प्रताप मुळीक
सम्पादक •
मनीष गुप्त
चित्र •
मिलिंद मिसाळ
विठ्ठल कांबळे
ागमणि द्वीप- इच्छाधारी सर्पों का द्वीप, राजा मणिराज की मृत्यु के बाद जहां का सम्राट बना नागराज-
वेली दुल्हन की तरह सजा था आज वही नागमणि द्वीप--
आसमान पर लगी थीं द्वीप पर मौजूद प्रत्येक नागमानव की उत्सुक निगाहें--
दूर आकाश में नजर आया वह जिसे देखने को तरस, तड़प रही थी हर निगाह--
वो देखो वह आ गया!
टकटकी लगाये हुए था हर कोई--
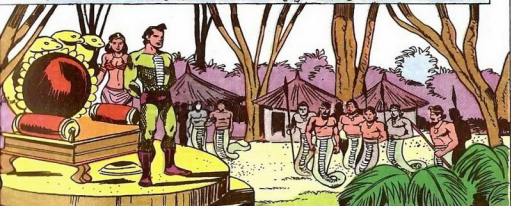
धक्कम-मुक्की मचने लगी--
हटो, मैं देखूंगा उसे पहले!
हटो, ठीक ढंग से देखने देना मुझे उसे! बहुत दिनों से 'उसे' देखने को तरस गई हैं मेरी आंखें!
कौन था वह जिसे देखने के लिए दीवाने हुए जा रहे थे सर्प-मानव?
नागराज... हां, नागराज ही था वह--
जाने क्या बात है अचानक ही द्वीप पर पहुंचने का बुलावा भेज दिया है विसर्पी ने?
नीचे उतरने लगा हैलीकॉप्टर--
आज तो बहुत सजाया गया है पूरा द्वीप... लेकिन क्यों?
हैलीकॉप्टर से नीचे उतरा नागराज तो--
नागसम्राट नागराज! जिन्दाबाद!
ऐसे ही नारों से कुछ पलों तक गूंजते रहे 'जमीन-आसमान'--
फिर--
क्या बात है विसर्पी! एकाएक मुझे द्वीप पहुंचने का बुलावा क्यों भेजा? और दुल्हन की तरह क्यों सजाया गया है सारा द्वीप?
तुम्हारे प्रश्नों का उत्तर मैं देता हूं नागश्रेष्ठ!

ाबा ने बताया तो
हो उठा नागराज--
हां नागसम्राट! नागकुमारी विसर्पी के विवाह की तैयारियां की जा रही हैं!
सच! -- सच है ये!
कौन है वो भाग्य का धनी जिसे नाग-सुन्दरी विसर्पी के वर के रूप में चुना गया है!
उसका चुनाव अभी होना है नागशिरोमणि... चूंकि द्वीप के नियमानुसार द्वीप की राजकुमारी का विवाह सैकड़ों वर्षों से स्वयंवर द्वारा ही सम्पन्न होता आ रहा है...
...इसलिए
ाजकुमारी विसर्पी के
ह के लिये भी स्वयंवर का
जन किया गया है
में द्वीप के सैकड़ों
ायोद्धा भाग
लेंगे..
...सैकड़ों जानलेवा प्रतियोगिताओं के बाद जो भी योद्धा विजेता होगा वह राजकुमारी विसर्पी का वरण करेगा!
ओह!
वैसे तो स्वयंवर की सभी तैयारियां पूर्ण हो चुकी हैं, लेकिन चूंकि तुम इस द्वीप के सम्राट हो इसलिए तुम्हारे बिना यह स्वयंवर नहीं हो सकता था...

...तभी विशेष रूप से संदेशा भेजकर तुम्हें यहां बुलाया गया...ताकि तुम भी स्वयंवर में भाग ले सको!
मैं स्वयंवर में भाग लेने के लिए तैयार हूं पुजारी बाबा?
कल सूर्योदय के साथ ही प्रतियोगिता प्रारंभ होगी, नागसम्राट!
रुकिए पुजारी बाबा...
मैं ठीक कह रहा हूं। नागराज भले ही हमारा सम्राट है लेकिन वास्तविकता में वह हमारी जाति का प्राणी नहीं है और नागद्वीप की कोई भी युवती द्वीप के बाहर के...
ऐसा नहीं होगा महामहिम युद्धक! मैं इस स्वयंवर में भाग नहीं लूंगा!
यह था नागद्वीप की आग उगलने वाली सर्पों की जाति लेगारा का प्रमुख युद्धक —
AN RKD SCAN

ओह! नागराज तुम महान हो। अपनी इच्छाओं का बलिदान देकर तुमने अपने उत्तरदायित्व को निभाया, मुझे भी तुम्हारी इस कुर्बानी की इज्जत रखना ही होगा।
अगले दिन का सूरज अपने साथ लेकर आया था उमंग, उत्साह और जबरदस्त जोशो-खरोश---
ज के इस फैसले
ोध न कर सकी विसर्पी-
--उनके लिये जो द्वीप पर बने एक विशेष मैदान की दर्शक-दीर्घा में दर्शकों के रूप में मौजूद थे--
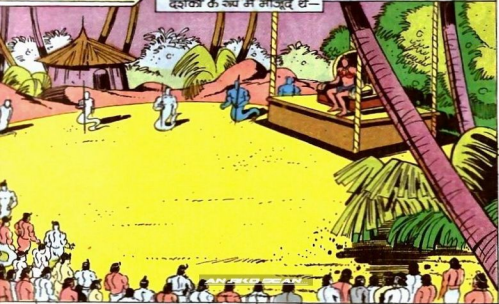
...और उनके लिये भी जो बीच मैदान में प्रतियोगियों के रूप में खड़े थे...
...जिनमें विशेष थे—
महावीर शूलकंट-
अद्भुत नाग घोड़क पछाड़-
विलक्षण पंचनाग—
लगारा नाग
शूरवीर नाग - नागकंकाला -

...य--
जिनकी अद्भुत और विलक्षण शक्तियों ने तहलका मचा दिया था पूरे विश्व में। धज्जियां उड़ा दी थीं जिन्होंने नागराज के साथ मिलकर नगीना के जाल की--
इन पांचों के होते असंभव है किसी का भी जीत पाना!
इन्हीं के साथ मैदान में उपस्थित थे नागमणि द्वीप के वे सैकड़ों मनचले नागयुवक जो विसर्पी से विवाह के सपने संजोए हुए थे--
AN RKD SCAN
amaan.cooldude18

उठ खड़े हुए पुजारी बाबा –
इस प्रतियोगिता को तीन चरण में बांटा गया है। सबसे पहला चरण होगा नागनदी को पार करना इसलिए...
... सभी प्रतियो
निवेदन है कि वे
नागनदी के तट
पहुंचे।
नागनदी--
इसे पार करने में भला क्या भेद है। इसे तो चुटकी बजाते ही पार कर जाऊंगा मैं।
इतनी आसा
प्रतियोगिताएं
सैकड़ों विजेता
विसर्पी का व
करने वा
निर्णायक के रूप में खड़ा नागराज भी हैरान था--
आखिर क्या मुश्किल है इस नदी को पार करना?
तुरही बजने के साथ ही नागनदी में कूद पड़े प्रतियोगी--
तू तू
तू तू
छपाक छपाक
AN RKD SCAN

...तब नजर आई उन्हें मुश्किल—
घातक और भूखे मगरमच्छों के रूप में—
...के होश गुम हो गये—
बहूहू अगर पहले ही इस बारे में पता होता तो सपने में भी इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेने की ना सोचता।
झपट पड़े भूखे मगरमच्छ।
...फटक भी ना पाये उनके पास जो
...रह जानते थे उन्हें दूर रखना—
नागार्जुन के बाणों का सामना तो साक्षात् मृत्यु भी नहीं कर सकती।
जब-जब सर्पराज की भुमण्डा चली है तब-तब शत्रुओं में खलबली ही मची है।
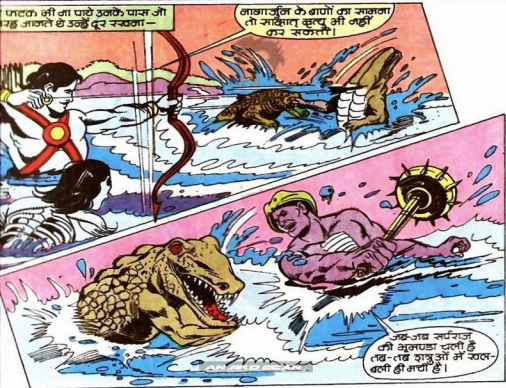
मेरे आदेश पर तो गरुड़दण्ड फाड़ डाले पर्वतों का भी सीना तो फिर तुम सब क्या हो!
सिंहनाद के पंजों में फंसना
के पंजों में फंस
के समान है।
जिसे इस शरीर में समाना हो वो नागप्रेती से भिड़े।
शूलकंठ...
...नागकंकाल...
मगरमच्छों को पछाड़ने वाले ये पांचों ही नहीं...
AN RKD SCAN
amaan.cooldude18

पछाड़ ...
... व अन्य बलशाली एवम् भाग्यशाली प्रतियोगी भी शामिल थे—
जिनका पाला पहली बार पड़ा था
मुसीबतों से —
बचाओ
डाला उन्हें तो भूख से व्याकुल मगरमच्छों ने —
आहऽऽ
लाज़मी था ऐसी स्थिति में नागराज का चिहुंक उठना —
आहऽऽऽ
उफ! वहशीपन है ये तो...
AN RKO SCAN

...रोकना होगा इसे।
कूद पड़ा नागराज--
और बच गये वे जिन्हें मौत अपने जबड़े में लेने को आतुर थी--
पहले पहुंची नागरस्सी--
और फिर पहुंचा नागराज--
पीछे हटो शैतान!
धन्यवाद नागसम्राट!
एक-एक करके इन सबको किनारे पर ले जाना मुश्किल है इसलिए...
...बनानी होगी नागनौका!
नागरस्सी का अनोखा इस्तेमाल किया था नागराज ने--

से बनी नागनौका में बिठाकर मुसीबतजदों को किनारे की तरफ
किया नागराज ने—
तिलमिलाते मगरमच्छों ने अब निशाना बनाया नदी में मौजूद नागराज को--
कहाँ जानते थे वे बेचारे मगरमच्छ कि
को अपना शिकार बनाना चाहते हैं,
नागराज कहा जाता है—
वह नागराज जिसके
सामने साक्षात मौत भी...
...दुम दबाकर भागती नजर
आती है...
सड़ाक
सड़ाक

नदी से बाहर आया नागराज—
ढेरों घातक और भूखे मगरमच्छों को निहत्थे ही ठिकाने लगा देने वाले अद्भुत काम को अन्जाम देना नागसम्राट नागराज के वश का ही था।
नागराज "कुछ" और ही सोच रहा था—
विसर्पी से विवाह के लिए उम्मीदवार की तलाश में सैकड़ों नाग-मानवों के लहू को पानी की तरह बहा देना बेवकूफी नहीं तो और क्या है।... इसे रोकना होगा।
प्रतियोगिता के दूसरे चरण को रोक दिया नागराज ने—
सब कुछ सुनकर बोले पुजारी बाबा—
तुम्हारा कहना ठीक तो है नागश्रेष्ठ, परन्तु ऐसी कठिन प्रतियोगिताओं के बिना कैसे होगा विसर्पी के लिए वर का चुनाव?
बुद्धि, बल, साहस, फुर्ती और चपलता की परीक्षा लेने के लिये और भी साधन हैं पुजारी बाबा। जिसमें किसी को भी अपनी जान नहीं गंवानी पड़ेगी।...
क्यों सम्राट?... तुमने ऐसा क्यों किया?
नागराज ने दिया पुजारी बाबा के "क्यों" का जवाब—
...इसलिए प्रतियोगिता के अगले चरण मेरे सुझाव से आयोजित किये जायेंगे।

गराज के सुझाव पर आयोजित की गई थे
ताएं--
आँखों पर पट्टी बांधकर
निशाने को बाण से बींधना--
आग के ऊपर से कूदना --
द्वीप पर छिपे नेवलों में से पांच नेवलों को
मारना--

...शूलों पर चलना—
... बुद्धि परीक्षण—
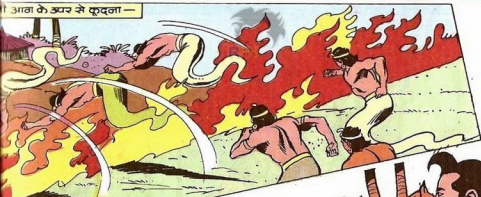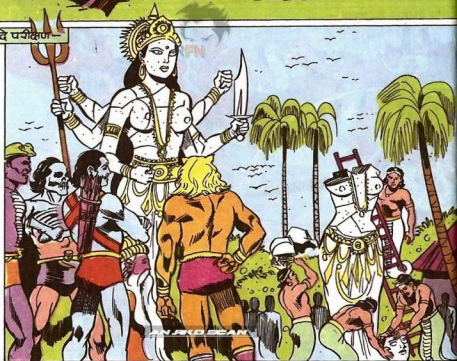
शिक्षण--
अभी धरा पर ऐसा वीर पैदा नहीं हुआ जो नागदेव की दाढ़ी का सामना कर सके।
तूने घोड़े बहुत पछाड़े होंगे घोड़क पछाड़, किन्तु मैं सर्पराज हूं।
शूलकंठ को नागदेव व घोड़क पछाड़ को सर्पराज ने पराजित किया था।
नाग व पंचनाग को हराया
और नागप्रेती ने —
शूरवीर आये
जाये, लेकिन
को कोई नहीं
पाया।
नागप्रेती के शिकंजे से बच पाना नामुमकिन है पंचनाग!
नागकंकाला के
बढ़ते कदमों को
नागार्जुन ने —
नागार्जुन की बाणों की बाढ़ को तो तूफान भी पार नहीं कर सकते फिर तुम क्या चीज हो नागकंकाला!

और इस तरह अपने-अपने प्रतिद्वंद्वी को धता बताकर प्रतियोगिता के अन्तिम चरण में पहुंचने वाले थे वे पांच शूरवीर—
पांचों को विजय की बधाई देते हुए बोला नागराज—
मैं पहले से ही जानता था कि प्रतियोगिता के आखिरी चरण में तुम ही पहुंचोगे, लेकिन तुम पांचों की असली परीक्षा अब होगी…
…क्योंकि प्रतियोगिता के इस चरण में तुम पांचों को आपस में युद्ध लड़ना होगा और ये दिखाना होगा कि तुम में से श्रेष्ठ कौन है…
…साबित करना होगा तुम्हें कि तुम पांचों में से एक…सिर्फ एक विसर्पी को वरण करने योग्य है…
प्रतियोगिता के अन्तिम चरण में होने वाले उस बेहद रोमांचक मुकाबले को देखने के लिए सभी बैठे हुए थे अपनी-अपनी सांसें रोके—
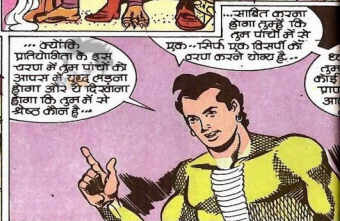
रोमांचित थी राजकुमारी

कौन होगा इन पांचों में से मेरा पति?

नागराज के संकेत के साथ शुरू हुआ नागमणि द्वीप का अब तक का सबसे सनसनीखेज मुकाबला--

जिसमें भाग लेने वाले पांचों प्रतिद्वंद्वी आमने-सामने थे--

मुझे बनना है सुन्दरी विसर्पी का पति, तुम सब हट जाओ मेरे रास्ते से।

राज के
र्पी का पति
कस बनेगा...
राज!

इस दाढ़ी वाले को क्यों भूल जाते हो जिसने अपनी आधी उम्र कुंआरे रहकर ही गुजार दी!

विसर्पी का पति तो तूफान की तरह बाण बरसाने वाला ही बनेगा।

इन बाणों की दीवार को चकनाचूर करने वाले के बारे में क्या ख्याल है नागार्जुन?
छपाक
तुम ऐसे न मानोगे। सब के लिए तुम्हें करना ही ह
अब मैदान में आया काफी देर चुप खड़ा न
उधर तुम उन्हें बेहोश करो, इधर मैं तुम्हें अपने शरीर में विलीन करता हूं।
उफ!
नागदेव की दाढ़ी के कसाव से छटपटा उठे उसमें फंसे नागार्जुन, सर्पराज और सिंहनाग--
आह!
ओह!
उफ!
जबकि नागप्रेती के शिकंजे में फंसा नागदे कराह उठा--
आ...
हा हा हा!

पहले कोई अनर्थ हो जाता बीच में
धड़ाके
नागदेव को छोड़ो नागप्रेती!
... बल्कि नागदेव की प्रलयंकारी दाढ़ी से सर्पराज, नागार्जुन और सिंहनाग को भी बचाया—
धड़ाड़
और तुम छोड़ो उन तीनों को।
तेज प्रहार से ना केवल नागप्रेती के
शिकंजे से नागदेव को छुड़ाया...
पड़ा नागराज—
के बाद भी
पर प्राण
किये अगर तुमने
किया तो प्रति-
बाहर कर
पाँचों
अपनी भूल का
पड़े पाँचों एक
हो गई
अब ऐसा नहीं
सभी के विचारों पर आश्चर्य की बिजलियां गिराते बीच मैदान में आ गिरे वे परिंदे—
!!
!!!
फड़
AN JIKO SCAN

नागराज ने लपककर उठाया एक परिन्दे को-
सफेद रंग के परिन्दे हल्के काले और प्राणविहीन होकर नीचे कैसे आ गिरे हैं -- कैसे -- कैसे मृत्यु हुई है इनकी?
तभी वहां पहुंचे पुजारी बाबा--
काफी दिनों से यह रहस्य हमारे मस्तिष्क को झकझोरे हुए है, क्योंकि ये सफेद परिन्दे न जाने कहां से आकर कई बार मृत होकर द्वीप पर यहां-वहां गिर पड़ते हैं।
विचारों का तूफान चल रहा नागराज के मस्तिष्क में--
इन परिन्दों की इस तरह मृत्यु किसी बहुत बड़े रहस्य की तरफ इशारा कर रही है पुजारी बाबा।
...क्योंकि ऐसा करने का मतलब होगा नागमणि द्वीप के नियमों का उल्लंघन करना!
इस रहस्य को जानना बहुत जरूरी है पुजारी बाबा!
आह
आह
ठीक तभी नागराज चौंका...
...क्योंकि एक-दूसरे को परास्त करने एक बार फिर भिड़ गये थे वे पांचों महार
ये खोलेंगे इस रहस्य की हर परत को?
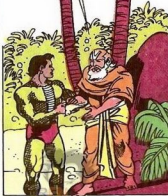
तो फिर कैसे होगा?
तुम पांचों को अलग-अलग जाकर इन परिन्दों की रहस्यमयी मृत्यु के रहस्य को जानना होगा...
तुममें से सबसे पहले इस अभियान पर कौन रवाना होना चाहेगा?
सबसे पहले बोला सिंहनाग--
मैं... मैं जाऊंगा नागसम्राट!
ठीक है सिंहनाग! तुम्हें कल तक का समय दिया जाता है वापस लौटने के लिये अगर तब तक तुम ना लौटे तो इस काम को किसी अन्य के सुपुर्द कर दिया जायेगा।
ठीक है नाग सम्राट!
amaan.cooldude18

तुरन्त ही निकल पड़ा सिंहनाग एक अन्जाने रहस्य की खोज में--
मरकर गिरने वाले परिन्दे अधिकतर उत्तर दिशा की ओर से आते हैं इसलिए मुझे उधर ही बढ़ना होगा।
एक नाव के सहारे समुद्र का सीना चीरता आगे बढ़ने लगा
जल्द ही--
इस सुनसान द्वीप पर वह अत्याधुनिक इमारत... और उसके आसपास से निकलता काला धुआं!...
छानबीन करके पता करना होगा..
लेकिन मैं वहां तक पहुंचूंगा कैसे? द्वीप के चारों तरफ तो कंटीले तारों की ऊंची-ऊंची बाढ़ लगी हुई है।
AN RKO SCAN
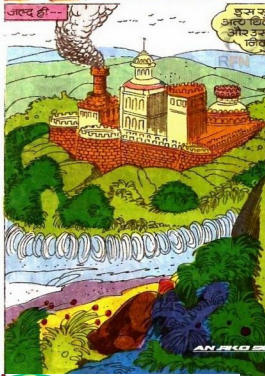
दूसरे ही क्षण

भाग्यशाली था सिंहनाग जो तारों में दौड़ते करन्ट ने उसे उठाकर दूर फेंक दिया था--

उफ! काफी तीव्र विद्युत प्रवाहित है इन तारों में...

इन्हें हाथों से तोड़ने का प्रयास करना मौत को दावत देने के समान होगा-- ...इसलिए रास्ता बनाने के लिये इसे इस्तेमाल करना होगा।

सिंहनाग ने पास ही पड़ी भारी चट्टान को अपनी भुजाओं में उठाकर...

...तारों पर फेंक दिया--
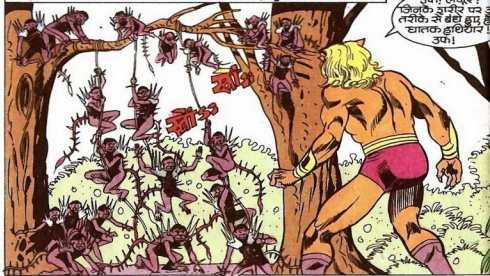
और आंखें फैलती भी क्यों ना सामने आश्चर्य से भरपूर दृश्य जो उपस्थित था--
उफ! लंगूर! जिनके शरीर पर तरीके से बंधे हुए घातक हथियार! उफ!
अभी हैरान ही खड़ा था सिंहनाग कि हो गया उस पर हमला --
खच्च
आह
होंठों से चीख और कंधे से खून भलभला उठा --
इसी के साथ भभक उठा सिंहनाग--
आओ दुष्टो! अब बताऊंगा मैं तुम्हें कि तुम्हारे शरीर पर लगे हथियारों से ज्यादा तीखे और भयंकर हैं सिंहनाग के नख!
इस बार अपनी तरफ उछले दो लंगूरों को हवा में ही दबोच लिया सिंहनाग ने --

खीं...
खीं...
कइयों को फाड़ डाला सिंहनाग ने अपने नाखूनों से--
खच
जब टूटा लंगूरों का पूरा झुण्ड का झुण्ड
पर तो लड़खड़ा गया
खच
घातक विष से बुझे सैकड़ों हथियार पैवस्त हो गये सिंहनाग के शरीर में--
छाने लगा अंधेरा सिंहनाग की आंखों के आगे --
उफ! इन हथियारों की नोकों पर लगा घातक विष मेरे शरीर में प्रवेश कर गया है... इससे मुझ पर बेहोशी सी छाती जा रही है.. टांगें कांप रही हैं मेरी.. लेकिन..
AN RKD SCAN

...लेकिन गिरने से पहले मैं इन मौत के दूतों को मौत देकर रहूंगा।
बिजली की सी तेजी-से चलते सिंहनाद के हाथ अपने पास
लंगूरों को मौत देते जा रहे थे--
आओ दुष्टो और आओ।
उसके हाथों ने फाड़ डाला अन्तिम लंगूर का शरीर--
फिर लहराकर धड़ाम से नीचे जा गिरा वह--
घातक विष ने बेहोशी की दुनिया में पहुंचा दिया
और अभी सिंहनाद को बेहोश हुए एक पल भी नहीं गुजरा था कि...
...जाने कहां से
उस पर आ गिरा वह जाल।
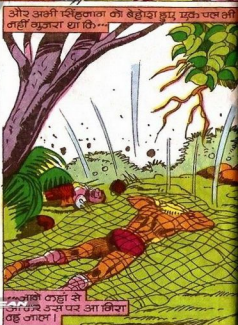
सूर्य डूबा। समाप्त हुआ रोशनी का साम्राज्य !
और उसी के साथ समाप्त हुई सिंहनाग के वापस लौट आने की उम्मीद--
सिंहनाग को दिया समय समाप्त हो गया अब तुम्हें...
...सर्पराज तुम्हें जाना होगा उस "रहस्य" की खोज में।
खोज निकाला उसने मंजिल को--
अब कुछ ही पलों की दूरी पर है वह रास्ता।
कंटीले तारों में सिंहनाग द्वारा बनाये गये रास्ते से अन्दर प्रवेश कर गया सर्पराज--
विचित्र पहाड़ियों में छिपी उस इमारत में छिपा है वह रहस्य जिसे जानने के बाद मैं नागसुन्दरी विसर्पी का स्वामी
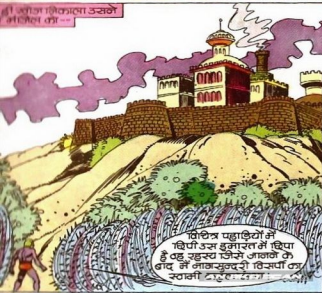
अन्दर--
इन लंगूरों के वीभत्स रूप से फटे शरीर बताते हैं कि इन पर सिंहनाग के क्रोध का कहर टूटा है। लेकिन इन्हें मारकर सिंहनाग चला कहां गया?
काफी सोचने के बाद
...जब ना मिला सर्पराज को अपने सोचे हुए प्रश्न का उत्तर तो आगे बढ़ गया वह—
सिंहनाग को बाद में तलाश करूंगा मैं, पहले उस रहस्य को खोलता हूं जो विसर्पी को मेरी बांहों में पहुंचायेगा!
अभी कुछ ही कदम आगे बढ़ पाया था सर्पराज कि...
ओह!
-उछाल दिया उसे उस तेज टक्कर ने—
और जब टक्कर मारने वाला... सामने आया तो रूह फना होकर रह गई सर्पराज की—
चिंयांऽऽ
उफ! पागल हाथी जिनका निशाना हूं मैं।
सर्पराज सोचता ही रह गया—

हाथी का पांव सर्पराज को कुचलने के लिए—
चिंघाड़
ने भूमण्डा पर
...और इस परीक्षा में हर हाल में सफल होना है हम दोनों को।
अपनी शक्ति का शानदार प्रदर्शन करते हुए ना केवल हाथी को दूर उछाला सर्पराज ने...
...बल्कि स्वयं चीते की सी फुर्ती के साथ सम्भलकर खड़ा हुआ—

अब--
नारियल की तरह तुम्हारे मस्तक को फोड़ डालेगी भूमण्डा!
लेकिन कमजोर कहां था उसका दुश्मन--
हाथियों के मस्तकों के उड़ते परखच्चे इस बात के गवाह थे कि न तो सर्पराज में पराक्रम की कमी थी और न ही भूमण्डा में शक्ति की--
उफ!
अत्याधिक भीषण था वह प्रहार
--- जिसने भूमण्डा और सर्पराज को अलग-अलग ले जा फेंका था--
पलभर के लिये अपने अस्त्र पर ध्यान सर्पराज का--
उफ!
आह
AN AKO SCAN
amaan.cooldude18

उसके लिए, जैसे प्रलय का क्षण बन गया--

भड़ाम

उस रहस्यमयी जाल के गिरने से बहुत पहले ही बेहोश हो चुका था वह--

समय पर सर्पराज भी नहीं लौट पाया। अब तुम्हारी बारी है नागप्रेती। अब तुम्हें दिखाने हैं अपनी कला के जौहर और रहस्य की दुनिया के सीने को फाड़कर...

...कल शाम तक सुलझाना है सभी रहस्यों को।

निश्चिंत रहें नागश्रेष्ठ, कल शाम से बहुत पहले ही रहस्य के गर्भ में छिपे हर प्रश्न के उत्तर के साथ वापस लौटेगा...

...नागप्रेती!

दुल्हन का जोड़ा पहन कर तैयार रहना विसर्पी, मैं यूं गया और यूं आया।

अपनी-अपनी सोचों में डूब गये नागराज और विसर्पी—
इन योद्धाओं को इस तरह भेजकर कहीं मैं कोई गलती तो नहीं कर रहा... कहीं ऐसा तो नहीं है कि समय पर वापस लौटकर ना आने वाले सिंहनाग और सर्पराज किसी मुसीबत के जबड़े में जा फंसे हों?
उफ! कहीं नागप्रेती ने खोज निकाला वह रहस्य तो मुझे कंकाल से विवाह करना होगा। उफ!
यूं अपने मस्तिष्क से झटके दोनों ने अपने-अपने विचार--
यहां तक पहुंचने के बाद अब प्रतियोगिता बीच में नहीं रोकी जा सकती... आने वाले समय की प्रतीक्षा करने के सिवा कुछ नहीं हो सकता अब!
भाग्य के लेख को नहीं टाला जा सकता! देखें कौन लिखा है मेरे भाग्य में।
अपने साथियों द्वारा छोड़े गये चिन्हों को देखता आगे बढ़ा नागप्रेती—
ये सिंहनाग...
...और ये सर्पराज के, यहां पहुंचने के चिन्ह हैं... लेकिन जब वे यहां तक आ पहुंचे थे तो आगे क्यों नहीं पहुंच सके?
उस भीषण प्रहार के साथ ही मिल गया अपने हर सवाल का जवाब—

लेकिन नागप्रेती केवल इसे पार करेगा इसका 'बन्टाधार' भी करेगा!
धड़ाक
का लाजवाब करते हुए बचा लाया--
जैसे मक्खन में गर्म छुरी प्रवेश करती है ठीक ऐसे ही हाथी के मस्तक में प्रवेश करते चले गये नागप्रेती के कंकाल रूपी हाथ--
बेदम होकर 'धड़ाम' से नीचे गिरा वह हाथी--
खच
ही सफलता भरी हुई थी नागप्रेती के उस ठहाके में--
हा हा! की अद्भुत मुकाबला कोई नहीं सा इसलिए सिर्फ की होगी विसर्पी नागप्रेती की हा।

अचानक "ब्रेक" लग गये नागप्रेती के ठहाकों पर, टिड्डियों के उस घातक झुण्ड को अपनी तरफ बढ़ते देखकर--
ये-ये-ये क्या हो रहा है... ये टिड्डी दल मेरी तरफ क्यों बढ़ा चला आ रहा है!... क्या इरादे हैं इनके?
भौंचक्के खड़े नागप्रेती को टिड्डी दल के इरादे तब पता चले जब--
उफ! ये तो मुझ पर ही चिपकते जा रहे हैं।
टिड्डियों का पुतला बना नजर आने लगा नागप्रेती--
तब ही छोड़ा टिड्डी दल ने उसका पीछा जब वह बेहोश होकर नीचे आ गिरा--
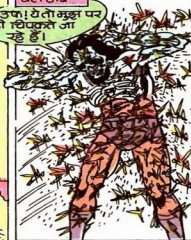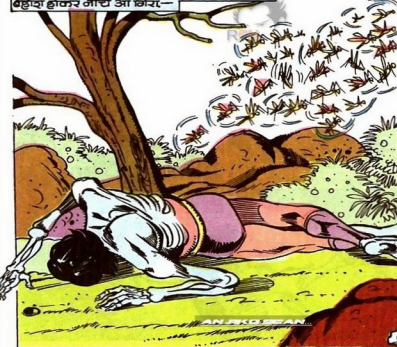
ी के बाद जिस के कदम उस द्वीप पर पड़े थे वह नागदेव था—

ये चिन्ह बताते हैं कि मेरे साथी यहां तक आ पहुंचे थे परन्तु अब सब गायब हैं इसलिए मुझे 'परिन्दों' के मरने के रहस्य को जानने के साथ-साथ यहां अपने साथियों की भी तलाश करनी है..
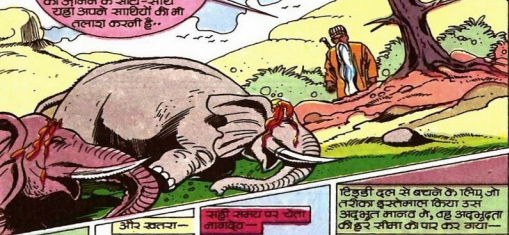
लेकिन
होंगे
हां?

'लहरों' के
ता आगे बढ़
ादेव-

और खतरा—

खतरा बढ़ रहा था उसकी तरफ—

सही समय पर चेता नागदेव—

उफ! टिड्डी दल! बचना होगा इनसे।

टिड्डी दल से बचने के लिए जो तरीका इस्तेमाल किया उस अद्भुत मानव ने, वह अद्भुदता की हर सीमा को पार कर गया—

मेरी दाढ़ी के होते ये टिड्डियां भला मेरा क्या बिगाड़ पायेंगी?

दाढ़ी के बालों के होते एक भी टिड्डी नहीं पहुंच पाई नागदेव के शरीर तक--
गरुड़ दण्ड खत्म कर डालो इन टिड्डियों को, एक भी जिन्दा बचकर वापस नहीं जानी चाहिए!
दूसरे ही क्षण गरुड़दण्ड से जो निकली भयंकर विष ज्वाला...
...तो चने की तरह भुनती चली गई उस टिड्डी दल की एक-एक टिड्डी--
शाबाश गरुड़दण्ड!
चूँकि नागदेव अपन दाढ़ी के कवच में छि इसलिए उसका कुछ ना बिगड़ा--
क्या सचमुच ट
दाढ़ी के कवच से बाहर आया नागदेव--
ये खतरा टला अब मुझे आगे बढ़ना चाहिए!
AN RKD SCAN
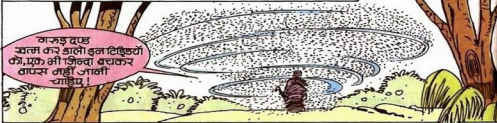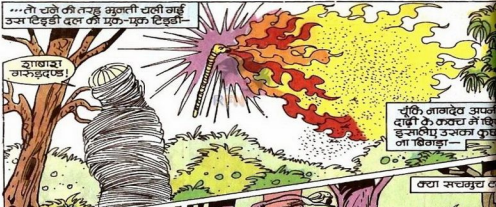
...त करने लगे वे आफत के परकाले—
और गूंजने लगे धमाके—
धड़ाम
ओफ्फ!
अच्छा सबक सिखाना था नागदेव ने उन यमदूतों को, अगर वह उस धमाके की चपेट में ना आ गया होता—
आह
...और बेहोश होकर...
...उस जाल में ना फंस गया होता—
ANUKO SCAN
amaan.cooldude18
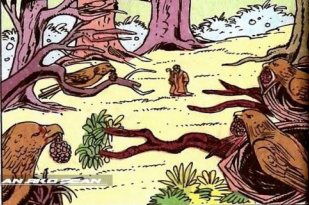
उस शाम--
परेशानी हैरानी और सैकड़ों सवाल तांडव कर रहे थे नागराज के चेहरे पर—
नागदेव, सर्पराज, सिंहनाग और नागप्रेती जैसे योद्धा उस रहस्य की खोज में जाकर रहस्यमयी तरीके से 'गायब' हो चुके हैं? क्या वे अभी तक उस रहस्य की खोज में ही 'भटक' रहे हैं या कोई और चक्कर है?
नागराज को विचारों के भंवर से बाहर निकाला नागार्जुन की आवाज ने--
तो मैं चलूं नागसम्राट?
अ.. हां, तुम उस "रहस्य" की खोज में जा सकते हो नागार्जुन!
नागार्जुन के वहां से चलने के साथ ही हरकत में आया "नागराज"--
अपनी शक्तियों
बल पर नागार्जुन
"रहस्य" की तह
जरूर पहुंचेगा! और
के साथ वहां पहुंचेगा
नागानन्द भी!
AN RKD SCAN
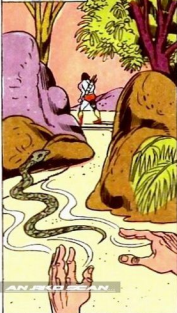
नागार्जुन ही था वह जो उस द्वीप पर पहुंच कर हैरान खड़ा था--
स द्वीप पर आकर मेरे
भी वापस ना आ सके
से मैं भी वापस नहीं
ट सकूंगा अगर मैंने
थिक सतर्कता
ाम ना लिया
ो।
रे ही क्षण बेहद सतर्क नजर
ने लगा नागार्जुन--
और वह "सतर्कता" उसके काम भी आई--
संकट!.. ऊपर!
-अगले ही क्षण अपने आपको जमीन पर गिरा लिया उसने और--
एक ही बाण छोड़-कर नहीं रुक गया नागार्जुन--
एक क्षण के हजारवें हिस्से से पहले ही कई बाण छोड़ दिये उसने--

और बचा लिया स्वयं को उस शत-प्रतिशत मौत से जिसने "हवा" में ही "दम" तोड़ दिया--
उफ! परखच्चे उड़ा देते वे बम मेरे!
बड़ाम
बड़ाम
और अब बारी है यम के उन दूतों की!
अचूक कैसे ना होते भला उस धनुर्धर
निशाने जिसके पास हों अर्जुन का धनुष
...और "सामने" वालों के वारों से बचकर...
...अपना वार कर
की अद्भुत क्षमता

काश को "साफ" करके आगे बढ़ा धनुर्धारी--
अब "उड़ती मौत" से मुझे कोई खतरा नहीं।
ती मौत" से निश्चिंत---
--- और उस "मौत" से बेखबर था नागार्जुन--
पड़ी वह मौत विद्युत की द नागार्जुन पर--
गर्र्र
उफ!
उसके हाथ से निकल-जा गिरा--
उफ! धनुष तो दूर जा गिरा अब इस गोरिल्ले से मुझे अपनी शारीरिक शक्ति के बल पर ही भिड़ना होगा।
गर्र्र
लेकिन उस गोरिल्ले और नागार्जुन की शारीरिक शक्ति का मुकाबला ऐसे ही था जैसे किसी "चूहे" का विशाल हाथी से टकराव--
जिसमें "चूहा" था नागार्जुन--
AN RKO SCAN
amaan.cooldude18

... और "हाथी" था वह गोरिल्ला जिसके विशाल शरीर में भरी थी बला की शक्ति...
गर्रर्र
... और "वारों" में भरी थी घन सी तासीर ...
धाड़
अब ऐसे मुकाबले का ये अन्जाम तो होना ही था—
औरों की भांति नागार्जुन को भी उठाकर ले गया वह "जाल"—
गर्रर्र
रोंगटे खड़े हो गये नागराज के! स्तब्ध खड़ा रह गया वह, तब जब नागानन्द ने सुनाया उसे सारा हाल—
उफ! घातक बमों सहित ट्रेन्ड बाज, गोरिल्ला और जाल द्वारा बेहोश नागार्जुन को फंसाया जाना... ये सारी घटनाएं तो साबित करती हैं कि परिन्दों के मरने के रहस्य के अलावा भी...
... सैकड़ों "रहस्य" छिपे हैं वहां जिन्हें सुलझाने और उन पांचों "वीरों" को बचाने के लिए मुझे...
AN RKO SCAN

...हाँ, मुझे ही जाना होगा वहां!

टोका पुजारी बाबा ने नागराज को—

लेकिन इस तरह तो तुम भी प्रतियोगिता में शामिल हो जाओगे नागश्रेष्ठ!

इसका फैसला बाद में होगा पुजारी बाबा, चूंकि वे पांचों किसी भयानक जाल में फंस गये हैं इसलिए, उन्हें उस जाल से निकालने के लिए, मुझे जाना ही होगा।

फिर एक पल भी वहां नहीं रुका नागराज--

तूफान की सी तेजी से मुझे वहां ले चलो नागानन्द!

!!

ल्द ही उस द्वीप की धरती को अपने कदमों तले रौंदकर आगे बढ़ रहा था नागराज--

स द्वीप के बीचों-बीच स्थित वह इमारत बित करती है कि यह प सुनसान और निर्जन हीं है, शहरी दुनिया के गों के कदम पड़ के हैं यहां...

...और इस बात की गारन्टी है कि वे "कदम" नापाक ही होंगे।

... और "हाथी" था वह गोरिल्ला जिसके विशाल शरीर में भरी थी बला की शक्ति...
गर्र्र
... और "वारों" में भरी थी घन सी तासीर ...
धाड़
अब ऐसे मुकाबले का ये अन्जाम तो होना ही था—
औरों की भांति नागार्जुन को भी उठाकर ले गया वह "जाल"—
गर्र
रोंगटे खड़े हो गये नागराज के! स्तब्ध खड़ा रह गया वह, तब जब नागानन्द ने सुनाया उसे सारा हाल—
उफ! घातक बमों सहित ट्रेन्ड बाज, गोरिल्ला और जाल द्वारा बेहोश नागार्जुन को फंसाया जाना... ये सारी घटनाएं तो साबित करती हैं कि परिन्दों के मरने के रहस्य के अलावा भी...
... सैकड़ों "रहस्य" छिपे हैं वहां जिन्हें सुलझाने और उन पांचों "वीरों" को बचाने के लिए मुझे...
ANJKO SCAN

...हां, मुझे ही जाना होगा वहां!

टोका पुजारी बाबा ने नागराज को—

लेकिन इस तरह तो तुम भी प्रतियोगिता में शामिल हो जाओगे नागश्रेष्ठ!

इसका फैसला बाद में होगा पुजारी बाबा, चूंकि वे पांचों किसी भयानक जाल में फंस गये हैं इसलिए उन्हें उस जाल से निकालने के लिए, मुझे जाना ही होगा।

फिर एक पल भी वहां नहीं रुका नागराज--

तूफान की सी तेजी से मुझे वहां ले चलो नागानन्द!

!!

ल्द ही उस द्वीप की धरती को अपने कदमों तले रौंदकर आगे बढ़ रहा था नागराज--

स द्वीप के बीचों-बीच स्थित वह इमारत बित करती है कि यह प सुनसान और निर्जन हीं है, शहरी दुनिया के गों के कदम पड़ के हैं यहां...

...और इस बात की गारन्टी है कि वे "कदम" नापाक ही होंगे।

साक्षात "परकाले" के रूप में नागराज के सामने खड़ा था वह गोरिल्ला —
गर्र्र
तो यही है वह गोरिल्ला जिसकी असीम ताकत के आगे घुटने टेक दिये नागार्जुन की शक्ति ने--
...लेकिन मुझे इसे नजदीक भी नहीं फटकने देना क्योंकि इसी में मेरी भलाई है।
बचाव में ऊपर उछला नागराज...
...वार के लिए तेजी से नीचे आया --
नागराज के वार का कोई असर नहीं हुआ —
गोरिल्ले ने एक चट्टान उछाल फेंकी नागराज पर —
धड़ाम
आह
खुद को बचाने के लिए उछला वह —
गरजता हुआ उसकी तरफ बढ़ा गोरिल्ला --
उफ! कुचल डालेगा ये मुझे अगर मैंने अपना बचाव ना किया तो।

...किया नागराज ने अपना बचाव--
लेकिन नागरस्सी एक पल भी तो ठहर न पाई गोरिल्ला की शक्ति के आगे--
हैरान नागराज को सम्भलने का मौका नहीं दिया गोरिल्ला ने—
...उसने झपटकर नागराज अपने हाथों में दबोचा...
...और फेंक कर दे मारा चट्टान पर--
आह्ह
इस तरह तो ये मेरा कचूमर निकाल देगा और मैं कुछ कर भी ना पाऊंगा।
अचानक नागराज को दिखाई दिया बचाव का एक "रास्ता"--
शायद मैं कुछ कर सकता हूं! लेकिन उसके लिये मुझे उस गोरिल्ले को अपने पास तक पहुंचने का इन्तजार करना होगा।
अब!--अब है कुछ कर "गुजरने" का समय।
नागराज के हाथों से निकला नागरस्सी का वह तूफान--
AN RKD SCAN

...आ लिपटा उस चट्टान से...
...जिसने नागराज द्वारा दिये गये एक तेज झटके के साथ ही छोड़ दी अपनी जगह--
भचाक
...अब एक क्षण भी मैं यहां ठहरा तो बन जायेगी मेरी भी चटनी!
नागराज ने सही समय पर अपना स
छोड़कर बचाया स्वयं को--
चट्टान गिर रही है!...
लेकिन--
वह तो समझ ही नहीं सका बेचारा कि कब
भारी चट्टान उस पर आ गिरी...
भचाक
...और कब उसकी "चटनी" बन गई--
RFN

अब कि हड़बड़ाहट का दौरा पड़ गया उसे जिसने नागराज के हर कारनामें को अपनी फटी-फटी आंखों से देखा था --
कौन है ये अनोखा इंसान? गजब का आत्म-विश्वास दिखाई दे रहा है जिसमें -- मुझे भी लग रहा है यह हर खतरे को पार करके हम तक आ पहुंचेगा...
एक पल बाद ही --
झूठ -- झूठ बोल रहे हो तुम, भला कोई ऐसा इंसान भी हो सकता है जिसके हाथों से सांप निकलते हों।
य-ये सच है महान ब्लैक किंग।-- म..मैं..मैंने अपनी आंखों से देखा है।
सिंह सा गुर्राया ब्लैक किंग नामक वह शख्स जो इस द्वीप का बेताज बादशाह था, पत्ता भी नहीं खड़कता था द्वीप पर जिसकी आज्ञा के बिना --
ठीक है... ठीक है, तुम उस पर नजर रखो मैं पता करता हूं उसके बारे में कि कौन है वो?
अपने हाथों से नाग छोड़ने वाला वह शख्स जरूर उनका ही साथी होगा जो उससे पहले द्वीप पर आये और हमारे शिकंजे में आ फंसे -- उन्हीं से पूछता हूं उसके बारे में।
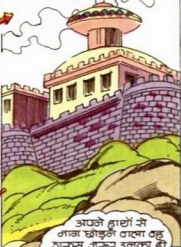
एक पल बाद ही ब्लैक किंग उस विशेष कक्ष में मौजूद था जहां कैद थे सिंहनाग, सर्पराज, नागप्रेती, नागदेव और नागार्जुन जैसे जांबाज —
अपने हाथों से नाग छोड़ने वाला एक इंसान द्वीप में घुस आया है। क्या तुम उसके बारे में कुछ जानते हो?
कुछ नहीं, बहुत 'कुछ' जानते हैं हम उसके बारे में। नागराज नाम है उसका।
मानवता का रक्षक, अपराधियों का काल नागराज है वो।
तुझ जैसे पापी थर्रा उठते हैं उसका नाम सुनकर।
अब इस द्वीप का ना कोई रहस बच पायेगा और ना तू क्योंकि आ पहुं है नागराज।

बिजली के तेज शॉक ने तड़पाकर रख दिया पांचों को—
आहहह
आहहह
कुछ ही पलों में बेहोश हो गये पांचों
बटन के दबने के साथ ही—
जंगमार—
दूसरा नाम—जंगमार—
अपने राह की अड़चनें हटाता जो...
खड़ा हुआ नागराज के सामने—
शिकार... तू है जंगमार का शिकार... हा हा हा।

नागरस्सी की सहायता से तुरन्त उछला नागराज --
जंगमार, जरा सम्भाल तो सही नागराज का वार!
नागराज के पहले ही वार ने तिलमिलाकर रख दिया जंगमार को--
मैं तुम्हें जिन्दा ले जाने के लिए आया था कीड़े, लेकिन अब तेरी लाश लेकर जाऊंगा मैं ब्लैक किंग के सामने।
कचूमर निकाल दूंगा मैं तेरा।
उफ! सचमुच बाल-बाल बचा कच निकलने से।
...जंगमार पर जा सवार हुआ--
कचूमर तो मैं निकालूंगा शैतान तेरी गर्दन की हड्डियों का।
लेकिन जंगमार ने एक तेज झटके से दूर उछाल दिया नागराज को--
बोलता बहुत है तू चूहे...
..बन्द करनी होगी तेरी जुबान।
उफ! ये तो पल प्रतिपल भयंकर होता चला रहा है।

...सी गति से लहराकर नागराज ने अंगमार के पेट दी वह टक्कर—
मुझे उम्मीद है इस टक्कर का जोरदार असर होगा इस गैण्डे पर
...उल्टा फंस गया नागराज—
अब अंगी उड़ायेगा तेरी धज्जियां। अब खत्म होगी तेरी उछलकूद के साथ...
उफ!
...ज के वार का क्या असर होता अंगमार के शरीर पर...
...तेरी जिन्दगी!
...और इसके लिए काफी होगा मेरा एक ही वार!
...उसके हाथों से सर्प सा सरसरा गया नागराज—
उफ! बाल-बाल बचा!
...लेकिन अब इस शैतान को जरा भी बचने का मौका नहीं देना।
...गमार के वार होने से
उलझा दी नागराज ने अंगमार के पैरों में सर्परस्सी—

और फिर दिया जो जोरदार झटका तो--
...चित जा गिरा अंगमार--
...इसी के साथ विष फुंफकार उग
उसकी छाती पर जा सवार हुआ ना
नागराज विष का "अंधड़" अपने हलक से तब तक उगलता रहा
जब तक बेदम ना हो गया अंगमार--
फिर जो चला नागराज तो मु
भी ना देखा उसने उसे जो उसके
और कहर का जबरदस्त शिकार
AN RKO SCAN...

रेंग गया सपाट दीवार पर नागराज--
अभी आधे ही रास्ते पहुंचा था वह कि सुनाई दी उसे वह "मौत" की आहट--
उफ! तेजाब! दीवारों पर रेंग कर ऊपर से ढेरों तेजाब बह रहा है मेरी तरफ! उफ!
उफ! बचा!
...इतनी ऊंचाई से नीचे गिरकर टीकड़ों में ही बंट जाना था उसका शरीर--
लेकिन वह नागराज ही क्या जो ऐसी "मौतों" के जबड़ों को ना तोड़ डाले...

...और फिर अपनी मंजिल पर रवाना न हो जाये—
ऊपर पहुंचकर ही "दम" लिया नागराज ने—
इस कैमरे से देखी जा रही है मेरी हर गतिविधि इसलिए...
...इसे नष्ट हो जाना चाहिए।
इस सुरक्षित स्थान पर तेजाब की बाढ़ फैलने से पहले ही मुझे ऊपर पहुंचना होगा।
इमारत के अन्दर 'मुस्तैद' गार्ड
...जो ये भी ना जान पाये कि कब लहरा कर उनके गलों का हार बन गईं वे नागरस्सी—
कैमरे के टूटते ही अंधेरा छा गया ब्लैक किंग के सामने स्थित स्क्रीन पर—
ओह! कैमरा तोड़ दिया उसने!... लेकिन इस तरह वह बचकर नहीं जा सकता यहां से। मेरे मुस्तैद गार्ड जल्द ही उसकी लाश बिछा देंगे।
सपाट दीवार पर कार्ल लुईस की भांति दौड़ पड़ा नागराज—
AN RKD SCAN

और कब एक तेज झटके
मोड़ दी उनकी गर्दन की
गयी--
कड़ाक
कड़ाक
मेरे बारे में बात कर रहे हो क्या दोस्तो?
य--यही है वह! गोली मारो इसे।
वह इधर तो नहीं आया?
MISSILE DEPARTMENT
नहीं तो!
सारी दुनिया जानती है कि गोलियों से पहले निकलते हैं नागराज के सर्प सैनिक, जो तुम जैसों को सम्भ- -लने का मौका भी नहीं देते।
चौंका नागराज--
SSILE DEPARTMENT
AN RKD SCAN

मिसाइल डिपार्टमेंट में झांकते ही हक्का-बक्का रह गया नागराज--
घातक मिसाइलें! विश्व भर के आतंकवादी जिनका उपयोग आजकल धड़ल्ले से कर रहे हैं।...
...तो इन्हीं मिसाइलों के निर्माण की बदौलत होता है वह प्रदूषण जो परिन्दों की मौत का मुख्य कारण है।
क्रोध से कनपटियों तक सुर्ख होत चला गया नागराज का चेहरा--
इन्हीं मिसाइलों के साथ ही खत्म होगा इन निर्माता, लेकिन पहले मुझे तलाश करना है यहां अपने पांचों साथि को।
इधर ब्लैक किंग--
निकम्मे हो तुम सब! एक आदमी को नहीं ढूंढ पाये।...इमा के चप्पे-चप्पे पर फै जाओ, वह मिलना चाहिए!
अचानक दमक उठा ब्लैक किंग का चेहरा--
ठहरो!... उसे तलाश करने की जरूरत नहीं, मैं जानता हूं कहां मिलेगा वह!
नागराज--
अपराधियों की मांद में सिंह-सा विचर रहा था अपनी सर्पसेना...
और शक्तिशाली प्रहारों के बल पर--
AN RKO SCAN
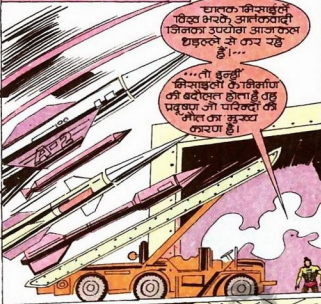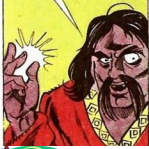
...ल्द ही मिली नागराज को उसकी मंज़िल--
ये रहे वे पाँचों!
नागराज!
होश में था सिर्फ नागार्जुन--
...गराज ने झपटकर आज़ाद किया सभी को ...धनों से--
शुक्र है तुम सभी ज़िन्दा हो।
उठाओ इन्हें नागार्जुन! हमें तुरन्त यहाँ से निकलना है।
...पने साथियों को लेकर भाग खड़े ...ए नागराज और नागार्जुन--
...न्हें सुरक्षित ...स्थान पर छोड़ने ...के बाद देखेंगे ...पराधियों को!
लेकिन ज़्यादा दूर तक नहीं आ पाये वे--
ब्लैक किंग के चंगुल से बचकर साक्षात मौत भी नहीं जा सकती नागराज!
ब्लैक किंग! तो तुम हो वह शैतान जो इस द्वीप पर प्रलयंकारी मिसाइलें बनाकर पूरे विश्व के आतंकवादियों को सप्लाई करते हो।
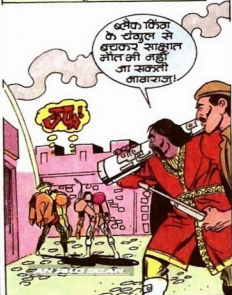
हां, दुनिया की नजर से दूर, बहुत दूर था मेरा यह हैडक्वार्टर और इसे हमेशा दूर भी रहना था। मगर प्रदूषण से त्रस्त होकर मरने वाले परिन्दों ने इस "रहस्य" को तुम्हारे सामने खोल दिया और तुम्हारे साथी एक-एक करके इस द्वीप पर उस रहस्य की खोज में आने लगे...
...लेकिन यहां तक इसलिए नहीं पहुंच पाये क्योंकि इस द्वीप के चप्पे-चप्पे पर मैंने उन पशु-पक्षियों का जाल बिछा रखा है जिन्हें विशेष रूप से ट्रेनिंग देकर मैंने इसीलिए तैयार किया है कि...
...कोई बाहरी व्यक्ति मुख्य इमारत तक किसी दशा में ना पहुंच सके। उन्हीं "पशु-पक्षियों के जाल" में फंसकर बेहोश होते चले गये तुम्हारे साथी...
और मैं अपने विशेष रोबोटों की मदद से उन्हें यहां लाकर कैद करता चला गया!
DEPARTMENT
अब चूंकि तुम यहां पहुंच कर जान चुके हो सारा रहस्य इसलिए तुम सबका मरना जरूरी है।...
...और तुम सब मरोगे ब्लैक किंग के हाथों।
शतिया नागराज के परखच्चे उड़ा देता वह लांचर...

...अगर नागार्जुन विद्युत की तेजी से हरकत में ना आता—
नागार्जुन के बाणों के होते नागराज को हवा भी नहीं छू सकती।
धड़ाम
वाह! नागार्जुन! अद्भुत!
...स रॉकेट से स्वयं बचा नागराज—
लेकिन "बच" ना सका मिसाइल डिपार्टमेन्ट
...सी के साथ दहशत से काला पड़ता चला गया ब्लैक किंग का चेहरा—
उफ! मिसाइल डिपार्टमेन्ट में जा पहुंचा है मेरे द्वारा छोड़ा रॉकेट... अब भीषण तबाही होने से कोई नहीं रोक सकता। क्योंकि मिसाइल डिपार्टमेन्ट में पड़ा है सैकड़ों टन वह विस्फोटक पदार्थ जिससे मिसाइलों का निर्माण होता है...
...उफ! मेरी दुनिया तबाह होने जा रही है और इसके जिम्मेदार को मैं छोड़ूंगा नहीं।
एक बार फिर तन गया नागराज की तरफ लांचर—
...किन इस बार वह गोला उगल पाता उससे पहले ही...
!!
...सियों नागों से भर गया था लांचर का मुंह...

नागराज ने लांघर को ब्लैक किंग के हाथ से झटक लिया—
वाह! नागार्जुन वाह!
दिखाया कमाल अब नागराज ने—
तेरा खेल खत्म हुआ ब्लैक किंग!
नागराज ने सम्भाला ब्लैक किंग को—
और नागार्जुन ने सम्भाला उसके साथियों को—
ठीक तभी—
मिसाइल डिपार्टमेन्ट में आग लग गई है, अब कोई नहीं बचेगा!
धड़ाम
धड़ाम
अपने साथियों की तरफ झपटता दीखा नागराज—
धड़ाम
धड़ाम
नागार्जुन, अपने साथियों को उठाकर भागो यहां से।
आंधी-तूफान की गति को मात करते इमारत से बाहर निकले नागराज और नागार्जुन—
ठीक एक पल बाद ही—
धड़ाम
जिन मिसाइलों को बनाने में रात-दिन लगा रहता था ब्लैक किंग वही उसकी और उसकी दुनिया की तबाही का कारण बन गईं।
ANJKO SCAN

ागमणि द्वीप पर—
द्वीप पर आकर गिरने वाले पक्षियों का रहस्य भी हल हो गया और पांचों शूरवीर भी द्वीप पर वापस लौट आए हैं, किन्तु...
...यह समस्या वहीं की वहीं है कि विसर्पी का वरण कौन करेगा...
...इसलिए मैं नागमणि सम्राट नागराज, ये फैसला इन पांचों महारथियों पर ही छोड़ता हूं, जिसका भी ये नाम लेंगे वही... वही विसर्पी का पति कहलायेगा।
अचंभित रह गये नागराज के फैसले पर सभी—
धाड़-धाड़ करके बजते सभी के दिलों में घुमड़ रहा था एक ही प्रश्न-
कौन...कौन...आखिर कौन होगा उन पांचों महारथियों में से विसर्पी का पति—
कौन होगा वह?
र वे पांचों महारथी—
वही, जिसने न केवल विश्व को भयंकर खतरे से बचाया, बल्कि हमेशा नागमणि द्वीप वासियों को भी अपनी जान पर खेल कर हर तरह की मुसीबतों से बचाया...
...यानी नागसुन्दरी विसर्पी का पति होगा...
नागराज!
AN PKD SCAN
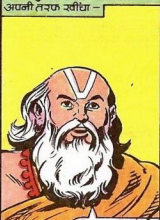
नहींऽऽऽऽऽ...
ऐसा कदापि नहीं हो सकता, मेरी जाति ऐसा कभी नहीं होने देगी!
अत्यंत क्रोध में तब युद्धक अपनी जाति के वीरों के साथ पूंछ पटकता हुआ वहां से चला गया।
सन्नाटे में खड़े सभी लोगों का ध्यान पुजारी बाबा की आवाज ने अपनी तरफ खींचा -
विवाह आज से सात दिन बाद सम्पन्न होगा!
नागराज हमें इस शैतान की गीदड़ भभकियों से नहीं डरना।
फिर सारा नागमणि द्वीप उस भयंकर खतरे को भूलकर विवाह की तैयारियों में जुट गया।